नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

रक्षा सौदा ; रणनीतिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम

भारत और फ्रांस के बीच रक्षा संबंधों में एक नया अध्याय जुड़ गया है. हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 3.6 लाख करोड़ रुपये के रक्षा प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की. इनमें 114 राफेल फाइटर जेट का सौदा सबसे बड़ा और रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण है. यह निर्णय केवल एक खरीद नहीं, बल्कि भारत की दीर्घकालिक सुरक्षा नीति और आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग की दिशा में एक ठोस संकेत है.

भारतीय वायुसेना लंबे समय से स्क्वाड्रन की कमी से जूझ रही है. अधिकृत क्षमता 42 स्क्वाड्रन की है, जबकि वर्तमान संख्या इससे काफी कम है. ऐसे में 114 आधुनिक राफेल विमानों का शामिल होना वायुसेना की परिचालन क्षमता को नई मजबूती देगा. राफेल पहले ही भारतीय परिस्थितियों में अपनी उपयोगिता साबित कर चुका है. इसकी स्कैल्प मिसाइल, मेटेओर एयर-टू-एयर मिसाइल और अत्याधुनिक एवियोनिक्स प्रणाली इसे क्षेत्र के सबसे सक्षम लड़ाकू विमानों में शामिल करती है.

इस सौदे की सबसे उल्लेखनीय बात 'मेक इन इंडिया' पर जोर है. 114 में से 96 विमानों का निर्माण भारत में होगा. केवल 18 विमान फ्रांस से 'फ्लाई-अवे' स्थिति में आएंगे. दरअसल,यह व्यवस्था केवल उत्पादन का स्थान बदलने भर तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीक के हस्तांतरण और घरेलू उद्योग को सशक्त करने की दिशा में एक दीर्घकालिक निवेश है. अनुमान है कि भारत में बनने वाले विमानों में 50-60 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग होगा. इससे एयरोस्पेस क्षेत्र में रोजगार, कौशल विकास और निजी-सरकारी उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा होंगे. रणनीतिक दृष्टि से भी यह सौदा अत्यंत महत्वपूर्ण है. चीन अपनी वायु शक्ति का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है और पाकिस्तान भी जे-10 जैसे उन्नत विमानों को शामिल कर चुका है. ऐसे परिदृश्य में भारत के लिए तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना अनिवार्य है. राफेल की बहु-भूमिका क्षमता भारत को दो मोर्चों की संभावित चुनौती के बीच संतुलन बनाने में मदद करेगी.

हालांकि, इतने बड़े वित्तीय पैकेज के साथ पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन की जिम्मेदारी भी जुड़ी है. रक्षा सौदों को लेकर अतीत में राजनीतिक विवाद होते रहे हैं. इसलिए सरकार को चाहिए कि वह इस प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी रखे और घरेलू उत्पादन की समय सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करे. लागत नियंत्रण और गुणवत्ता मानकों पर भी विशेष ध्यान देना होगा.

3.6 लाख करोड़ रुपये के इस व्यापक पैकेज में राफेल के अतिरिक्त स्कैल्प मिसाइलें, नौसेना के लिए अतिरिक्त पी-8I निगरानी विमान और अन्य उपकरण शामिल हैं. यह दर्शाता है कि भारत केवल वायु शक्ति ही नहीं, बल्कि समग्र सैन्य क्षमता के आधुनिकीकरण की दिशा में बढ़ रहा है. कुल मिलाकर यह महा-सौदा भारत की रक्षा नीति में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के संगम का प्रतीक है. यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो यह न केवल भारतीय वायुसेना को नई धार देगा, बल्कि भारत को वैश्विक रक्षा उत्पादन मानचित्र पर भी सशक्त स्थान दिलाएगा. निश्चित रूप से यह कदम आने वाले दशकों की सुरक्षा संरचना को आकार देने वाला साबित हो सकता है.

पूरी दुनिया में संघ जैसा कोई दूसरा संगठन नहीं

कृष्णमोहन झा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संघ ने देश के प्रमुख नगरों में संवाद कार्यक्रमों की जो श्रंखला प्रारंभ की है उसके अंतर्गत गत दिनों महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया जिसका विषय था -' संघ यात्रा के 100 वर्ष : नये क्षितिज '. इस दो दिवसीय गरिमामय आयोजन में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के काम को अनोखा बताते हुए कहा कि दुनिया में इस तरह का काम करने वाला कोई दूसरा संगठन नहीं है. पहले यह बात हम अपनी जानकारी के आधार पर कहते थे परंतु अब तो यह प्रत्यक्ष अनुभव हो रहा है. संघ को देखने के लिए पूरी दुनिया से लोग आते हैं. देश की गतिविधियों के केंद्र में संघ का नाम आता है. देश विदेश से आने वाले लोग संघ के बारे में अनेक प्रश्न पूछते हैं लेकिन आखिरी प्रश्न एक ही होता है कि हमारे देश में भी जवान पीढ़ी भी ऐसा ही कुछ करना चाहती है . क्या आप इसकी पद्धति हमें सिखा सकते हैं.

मोहन भागवत ने कहा कि संघ किसी संगठन की प्रतिस्पर्धा में नहीं निकला है. संघ किसी का विरोध करने के लिए भी नहीं है. संघ को पावर और पापुलैरिटी भी नहीं चाहिये. जितने भी अच्छे काम देश में चल रहे हैं वे बिना किसी का विरोध किए ठीक से हो जाएं यही संघ का उद्देश्य है. संघ इसी दिशा में काम कर रहा है. देश में बहुत से संगठन, संस्थाएं और दल हैं उनके साथ संघ को बिठाकर देखेंगे तो गलतफहमी होती है. संघ को ऊपर ऊपर से या दूर से देखने पर भी गलतफहमी होती है क्योंकि तब आप हमारे कार्यक्रमों को भर देखते हैं. संघ को समझने के लिए संघ के अंदर आकर उसका हिस्सा बनना होगा.संघ की किसी से तुलना नहीं की जा सकती.

संघ प्रमुख ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत एक बड़ी ताकत के रूप में अपनी पहचान बना चुका है परन्तु हम महाशक्ति नहीं बनना चाहते क्योंकि महाशक्ति दूसरों को डराती है, दूसरों पर दबाव डालती है. हम विश्व देव बनना चाहते हैं जो दुनिया के लिए मिसाल बने , प्रेरणा दे और नेतृत्व करें. हम बाहर से नहीं भीतर से नेतृत्व करना चाहते हैं. हम अपने काम, मूल्यों और उदाहरण से दूसरों को रास्ता दिखाना चाहते हैं.हमारा लक्ष्य डराने का नहीं बल्कि प्रेरित करने और साथ लेकर चलने का है.

संघ प्रमुख ने अपने व्याख्यान में हिंदुओं की चार किस्में बताते हुए कहा कि पहले वो जो कहते हैं कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं. दूसरी किस्म में वो आते हैं जो कहते हैं कि इसमें गर्व की क्या बात है. तीसरी किस्म उनकी है जो कहते हैं धीरे बोलो कि हम हिंदू हैं और चौथी किस्म उन हिंदुओं की है जो अपनी हिंदू पहचान भूल गए हैं या उन्हें भुला दिया गया है. संघ प्रमुख ने हिंदू मुस्लिम एकता के नारे को भ्रामक बताते हुए कहा कि जब हम पहले से ही एक हैं तो यह नारा अनावश्यक है. संघ प्रमुख ने कहा कि हिंदुत्व को अपनाने के लिए किसी को अपनी भाषा, धर्म या सांस्कृतिक रीति रिवाज छोड़ने की जरूरत नहीं है. हिंदुत्व सुरक्षा की गारंटी देता है. संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि हिंदू शब्द धार्मिक पहचान नहीं

संघ प्रमुख ने इस अनूठे संवाद कार्यक्रम के दूसरे सत्र में प्रबुद्ध श्रोताओं के चुनिंदा प्रश्नों के उत्तर भी दिए. एक प्रश्न के उत्तर में संघ प्रमुख ने कहा कि स्वातंर्त्य वीर सावरकर को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया जाना चाहिए. यदि उनको यह सम्मान प्रदान किया जाता है तो इससे सम्मान की प्रतिष्ठा और गौरव ही बढ़ेगा. सावरकर तो बिना किसी सम्मान के लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं.

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मोहन भागवत ने कहा कि संघ का सरसंघचालक कोई ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं बन सकता. एस सी एस टी का व्यक्ति भी नहीं बन सकता. सरसंघचालक बनने की एक मात्र शर्त यह है कि कोई हिंदू ही सरसंघचालक बन सकता है. संघ प्रमुख ने कहा कि 75 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद उन्हें पद छोड़ने की अनुमति संघ से नहीं मिली इसलिए वे सरसंघचालक पद पर बने हुए हैं. उनके पद छोड़ने का फैसला संघ को करना है. जब तक संघ से अनुमति नहीं मिलेगी वे अपना पद नहीं छोड़ सकते.पद छोड़ने के बाद भी संघ के कार्यकर्ता बने रहेंगे. संघ का कार्यकर्ता कभी रिटायर नहीं होता. वह शरीर में रक्त की अंतिम बूंद तक समाज सेवा के काम में लगा रहता है.

मोहन भागवत ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि अंग्रेजी भाषा को संघ की कार्यप्रणाली में संचार का माध्यम नहीं बनाया जाएगा क्योंकि यह भारतीय भाषा नहीं है लेकिन जहां आवश्यकता होगी वहां इसका प्रयोग किया जाएगा. लोगों को अंग्रेजी में महारत हासिल करना चाहिए लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि अपनी मातृभाषा भूल जाएं.

संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुंबई में आयोजित यह संवाद कार्यक्रम अपने आप में अनूठा था जिसमें कई बार संघ प्रमुख मोहन भागवत की विनोदप्रियता भी देखने को मिली. मुंबई के वर्ली स्थित नेहरू सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों की गणमान्य विभूतियों के साथ ही फिल्म अभिनेता सलमान खान, फिल्म निर्माता सुभाष घई की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही.

विंध्य की डायरी

कहीं विंध्य राजनीति का रण क्षेत्र तो नहीं बन जायेगा

डॉ. रवि तिवारी

राजनैतिक दृष्टि से हमेशा उर्वर रहे विन्ध्य में इन दिनों नेताओ की आपसी गुटबाजी खुलेआम जमीन पर नजर आने लगी है. सत्ता में प्रभाव कायम करने के लिए नेताओं के बीच हो रहा संघर्ष अब किसी से छिपा नही रह गया है. रीवा और मऊगंज मिलाकर बनी आठ विधानसभा में चार विधायक सीधे आमने-सामने की लड़ाई लड़ रहे हैं. एक विधायक किसी गिरोह की धमकी में अज्ञातवास पर है, तो दूसरा ,तीसरे से जुड़ा मसला विधानसभा में खुलकर उठा रहा है. सयंम और अनुशासन का नियमित पाठ पढ़ाने वाले संगठन में ऐसा कैसे हो रहा है. वरिष्ठ पूरे मसले पर चुप्पी साधे हुए हैं. सत्तापक्ष में ऊंचे स्तर पर चल रही इस प्रकार की टांग खिंचाई विन्ध्य की राजनीति को किस मुकाम पर ले जाएगी यह तो समय ही बताएगा.पर यह अभी से नजर आने लगा है कि अब सत्ताधारी दल को विधानसभा में गिनती गिनने वाले सदस्य कम ही मिलेंगे.कई बार जानकारों को यह भी कहते सुना जाने लगा है कि विकास की गंगा में डुबकी लगाते-लगाते नेताओं का दमघुटने लगा है. इसी लिए खुली हवा में सांस लेने की फिर से कोशिश कर रहे हैं. यह कहना अतिश्योक्ति नही होगी कि गुटबाजी अपने चरम पर पहुंच रही है हर कोई अपने आका को खुश करने में लगा हुआ है. सत्ता की चाबी देने वाली जनता आखिर अब किसके भरोसे रहे जब नेता ही आपस में उलझे हुए है ,फिलहाल संगठन को आगे आने की जरूरत है.

प्रदेश नेतृत्व की आंख-कान होंगे संगठन प्रभारी

आने वाले नगरीय निकाय और विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को बूथ स्तर पर और सशक्त बनाने की कवायद में जुटी भाजपा ने इसके लिये रोड मैप भी तैयार कर लिया है. तीन साल के इस रोड मैप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पार्टी की कमजोरियों को तलाशने के साथ उन्हे दूर करने पर जोर दिया गया है. विंध्य के सभी जिलो में जिला संगठन प्रभारियों को जिम्मेदारी दी जा चुकी है. संगठन प्रभारी जिम्मेदार के साथ पावरफुल भी होगे, कमजोरियों पर चिंता करेंगे. दरअसल पहले संभागीय संगठन मंत्री की व्यवस्था संगठन को चलाने के लिये हुआ करती थी. इस व्यवस्था के समाप्त होने के बाद बगैर शक्ति के जिला प्रभारियों की नियुक्ति की गई थी जो केवल कोरमपूर्ति तक सीमित थी. संगठन की शिथिलता को देखते हुए पार्टी ने जिला संगठन प्रभारियों को जिम्मेदारी देने के साथ पावरफुल बनाने का निर्णय लिया है. जिला संगठन प्रभारी जिलाध्यक्षों के साथ समन्वय कर प्रदेश नेतृत्व के लिये सेतु का कार्य करने की अहम भूमिका निभाएगें. कई तरह के अधिकार दिये जाएंगे, एक तरह से प्रदेश नेतृत्व की आंख, कान होगे. कोई भी संदेश या मतभेद का मुद्दा संगठन प्रभारी से ही होकर ऊपर तक जाएगा.

बाहुबलियों के आगे नियम बौने

आम आदमी के लिये तमाम नियम है लेकिन रसूखदार के लिये कोई नियम नही होता. जैसा वह चाहते है वैसा ही होता है. मैहर स्थित शक्ति पीठ माँ शारदा देवी के धाम में आम भक्तो के लिये कड़े नियम भले हो, लेकिन जब बात व्हीआईपी और बाहुबलियों की आती है तो उनके आगे नियम और कानून कैसे बौने साबित हो जाते है इसकी बानगी हाल ही में मैहर में देखने को मिली. उत्तर प्रदेश के कुंडा से बाहुबली विधायक और जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया मैहर पहुंचे थे. उन्होने प्रतिबंध के बावजूद मंदिर के गर्भगृह में न केवल राइफल के साथ प्रवेश किया बल्कि बकायदा शस्त्र पूजा भी की. हैरानी की बात यह है कि मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्पष्ट लिखा है कि शस्त्र लेकर जाना प्रतिबंधित है फिर भी पुलिस और सुरक्षाकर्मी मूकदर्शक बने रहे. मजे की बात तो यह है कि पुजारी ने भी राइफल को रोकने के बजाए उस पर चुनरी बांधी और पूजा सम्पन्न कराई. पूरा मामला तब सामने आया जब कुछ समर्थको ने सोशल मीडिया में वीडियो वायरल कर दिया. सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होने के साथ राजनीतिक गलियारे में भी चर्चा शुरू हो गई है, वही प्रशासन ने चुप्पी साध ली है.

कपास उत्पादकों के सामने नया संकट

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की मनमानी टैरिफ नीति की वजह से रेडीमेड कपड़ों के निर्यात में बांग्लादेश को भरपूर मुनाफा और भारत को नुकसान होगा. अमेरिका ने बांग्लादेश को निर्यात प्रोत्साहन देते हुए उसके रेडीमेड कपड़ों पर शून्य प्रतिशत आयात शुल्क लगाया है जबकि भारत पर 18 प्रतिशत टैरिफ लगेगा. इस तरह के निर्णय से भारतीय वस्त्रोद्योग व कपास उत्पादक किसान बुरी तरह प्रभावित होंगे. अमेरिका को भारत 11 अरब डॉलर अर्थात 90 करोड़ रुपए से अधिक रेडीमेड कपड़े निर्यात करता है.

वहां के मेसी, सीयर्स, वालमार्ट जैसे सुपरमार्केट में मेड इन इंडिया परिधानों की अच्छी खपत रही है. अमेरिका बाहरी देशों से जो कपड़े मंगवाता है उसमें 30 प्रतिशत भारतीय कपड़े होते हैं. इसलिए वहां का बाजार भारत के लिए लाभप्रद रहा है. अब बांग्लादेश में अमेरिकी कपास या कृत्रिम धागे (यार्न) से तैयार किए गए रेडीमेड कपड़ों पर अमेरिका कोई आयात शुल्क नहीं लगाएगा. करार के अनुसार बांग्लादेश अब भारत की बजाय अमेरिका से कपास खरीदकर उसके लिए वस्त्र बनाएगा. इस वजह से भारत के कपास उत्पादकों पर संकट आएगा क्योंकि बांग्लादेश भारतीय कपास का बड़ा खरीदार रहा है. ऐसे में विदर्भ व मराठवाड़ा के कपास उत्पादक किसानों सहित भारत की कपड़ा मिलों व निर्यातकों पर विपरीत असर पड़ेगा. देश के 14 राज्यों में कपास की पैदावार होती है. जिनमें महाराष्ट्र अग्रणी है. पहले ही भारत-बांग्लादेश संबंध बिगड़े हुए हैं. इस विवाद की आग में तेल डालने का काम अमेरिका ने किया है. इतना अवश्य है कि बांग्लादेश की कपड़ा उत्पादन क्षमता भारत की तुलना में कम है. अमेरिका अपने यहां चीन, वियतनाम, मलेशिया से भी रेडीमेड कपड़े मंगवाता है. अब भारत को यूरोपीय यूनियन, यूएई, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया आदि को कपड़ों का निर्यात बढ़ाकर अपने वस्त्रोद्योग व कपास उत्पादकों को संरक्षण देना होगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

ट्रंप की बेरुखी का पाक पर असर खुद को बताया टॉयलेट पेपर

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने अपने मुल्क की संसद नेशनल असेंबली में वीभत्स रस वाली बात कही. उन्होंने कहा कि ट्रंप ने हमें टॉयलेट पेपर बना दिया. जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल किया और फिर फेंक दिया.'

हमने कहा, 'अपने देश की इतनी गंदी तुलना करना दिखाता है कि पाकिस्तानी नेता कितनी हताशा में डूबे हैं. पाकिस्तान खुद परजीवी या पैरासाइट रहा है. पहले कहा जाता था कि अल्लाह, आर्मी और अमेरिका पाकिस्तान को चलाते हैं. जब अमेरिका ने मुफ्तखोरी की रोटी के टुकड़े डालना बंद कर दिया तो वहां के नेता झल्लाने लगे.'

पड़ोसी ने कहा, 'पाकिस्तान 2 नावों पर सवारी का नतीजा भुगत रहा है. अमेरिका और चीन दोनों की एक साथ चमचागिरी करना उसे महंगा पड़ा. पाकिस्तान को जलन इस बात की है कि अमेरिका भारत के करीब आ रहा है और बिजनेस डील कर रहा है. विश्व बैंक और आईएमएफ की खैरात पर पलनेवाले कंगाल व फुकटखोर पाकिस्तान से

कौन व्यापार करार करेगा? वह तो खुद ही आर्थिक और फौजी मदद के लिए बेशर्मी से हाथ पसारता आया है. अमेरिका की यह गलतफहमी दूर हो गई कि रूस और चीन के खिलाफ पाकिस्तान उसकी चौकी है.'

हमने कहा, 'ट्रंप पहले किसी को चने के झाड़ पर चढ़ा देते हैं और फिर उसे करारा झटका देते हैं. उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को महान सेनापति कहा और डिनर पर बुलाया. मुनीर और पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने ट्रंप को दुर्लभ खनिज का बक्सा गिफ्ट में दिया लेकिन अब अमेरिका पाकिस्तान को उसकी औकात बता रहा है. यह चीन से चिपकने का नतीजा है. उसकी वफादारी पर ट्रंप को शक हो गया है. पाकिस्तानी रक्षामंत्री ने कहा कि हमने अमेरिका के हितों के लिए जंग लड़ी और तालिबान के खिलाफ जाकर अमेरिका का साथ दिया लेकिन बदले में अमेरिका ने पाकिस्तान का टायलेट पेपर जैसा इस्तेमाल करने के बाद उसे कूड़े में फेंक दिया.' पड़ोसी ने कहा, 'पाकिस्तान ने खुद स्वीकार कर लिया है कि वह वास्तव में क्या है. मुफ्तखोर व भिखमंगे देश की कोई इज्जत नहीं रहती.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12172

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4		5	■	6
7				■		■	
	■		■	8	■	9	
10	11		■	12	13		
■		■	14				■
15		■	16			■	17
18		19		■	■	20	
	■	21					

बाएं से दाएं

1. विश्वपाल, बादशाहों के लिए संबोधन का शब्द (उर्दू) 7. राजा, ब्रम्हा, विष्णु, शिव 9. उद्यान, वाटिका, लगाम 10. सांप की मादा 12. अनुचित बात पर अड़े रहना, दुराग्रह 14. अनुरक्त होना 15. मैल दूर करना, पानी से साफ करना 16. नहाना 18. जांच या परीक्षा करना 20. महीना, मास 21. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री का नाम

ऊपर से नीचे

1. समीक्षा, गुण-दोष का विवेचन 2. जंगली धान की बाल, ललाट (सं.) 3. मनाने की क्रिया या भाव, रुठे हुए को प्रसन्न करना 4. रास्ता, मार्ग 5. वायु, पवन, बयार 6. जोश, आवेश उमंग, उत्साह (उर्दू) 8. हवा में लहराना 9. बाधा डालना 11. गुजरात में जूनागढ़ के निकट एक पर्वत जहां जैनियों का तीर्थ स्थान है 13. छल करना, धोखा देकर माल लूटना 14. पोशाक, पहनने के मुख्य कपड़े, पहनने का ढंग या रीति 15. मारपीट करना 17. प्रासाद, राजाओं या धनिकों के रहने का बहुत बड़ा मकान (उर्दू) 19. खाने योग्य खाद्य 20. फूलों का हार, लड़ी

Solution 12171

पा	य	ल	■	ड	म	रू	■
क	म	ला	क	र	■	ब	क
शा	क	■	हा	■	कु	रू	प
ला	■	ग	र	ज	■	■	ड़ा
■	रा	ज	■	हा	ल	त	■
चु	ह	ल	बा	जी	■	क	ला
ग	■	का	ज	■	का	ली	न
ली	व	र	■	श	रा	फ	त

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में यात्रा होगी, सफलता मिलेगी, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, राजनैतिक गतिविधियों का योग है, वर्ष के मध्य में दाम्पत्य जीवन में कलह की स्थिति न आने दें, यात्रा होगी,वर्ष के अन्त में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, दिनचर्या में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को भौतिक सुख साधनों की उपलब्धता रहेगी, उत्तरदायित्वों को संभालना पड़ेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यापार में सफलता मिलेगी, यात्रा में कष्ट होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को मित्रों से मतभेद होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को आय में सुधार होगा, धार्मिक कार्यो में व्यस्तता रहेगी.

मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उन्नति होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त होगी, अध्ययन में रूचि रहेगी.मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का मनोबल बना रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक मिलनसार, धैर्यवान, न्यायप्रिय, परोपकारी व धार्मिक प्रवृत्ति का होगा. शिक्षा उत्तम रहेगी. लेखन तथा रचनात्मक कार्यों में रूचि रहेगी. प्राय: इंजीनियरिंग, वायुयान संबंधी तकनीकी कार्यों में सफल होते हैं. इनकी अध्ययन में विशेष रूचि रहेती है.

उदयकालीन ग्रह चाल

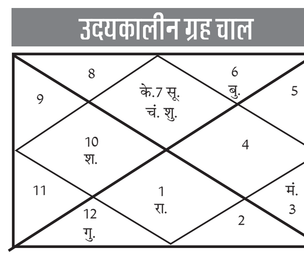

पंचांग

रा.मि. 27 संवत् 2082 फाल्गुन कृष्ण चर्तुदशी चन्द्रवासरे शाम 5/10, श्रवण नक्षत्रे रात 8/40, वरीयान योगे रात 2/0, शकुनि करणे सू.उ. 6/24, सू.अ. 5/36, चन्द्रचार मकर, शु.रा. 10,12,1,4,5,8 अ.रा. 11,2,3,6,7,9 शुभांक- 3,5,9.

व्यापार भविष्य

फाल्गुन कृष्ण चर्तुदशी को श्रवण नक्षत्र के प्रभाव से कपास, रूई में उछाल होगा. सोना, चांदी मंदी होगी. गुड, खांड के भाव में धीरे धीरे समानता आयेगी. हाजिर मार्केट में आज के बने भाव महत्वपूर्ण रहेंगे. भाग्यांक 3720 है.

मेष- बनते कार्य बिगड़ सकते हैं. परिस्थितियों से सामना करने में सफलता मिलेगी. अभीष्ट कार्यों की प्राप्ति होगी. कामकाज समय पर पूरा होगा. मान सम्मान बढ़ेगा.

वृषभ- चिंता करने की जरूरत नहीं है, स्थिति अनुकूल रहेगी. सामाजिक कार्यों में यश और कीर्ति प्राप्त होगी. अधिकारी वर्ग आपकी मदद करेंगे.

मिथुन- पद के अनुरूप कार्य प्रणाली लाभदायक सिद्ध होगी. भाग्योदय समाचार प्राप्त होगा. मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी. गुरूजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा.

कर्क- अपने महत्व के कार्य बना सकते हैं. धर्म कर्म व अध्यात्म में मन लगेगा. अज्ञात भय तथा चिंता रह सकती है. दैनिक कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा. समय व्यर्थ न गवायें.

सिंह- अचानक किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने के लिये तैयार रहना होगा. व्यापार व्यवसाय की स्थिति में सुधार होगा. स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें. क्रोध में निर्णय न करें.

कन्या- उच्चाधिकारियों से तनावग्रस्त रहने की संभावना है. परिवार में सुख समृद्धि में वृद्धि होगी. स्वजनों से मुलाकात हो सकती हैं यश, मान सम्मान प्राप्त होने का योग है.

तुला- मन में किसी अज्ञात भय की स्थिति दूर होगी. दिन अच्छा रहेगा. संयम से काम लेना आपके लिये हितकर रहेगा. मित्रता उपयोकी सिद्ध होगी.

वृश्चिक- धार्मिक कार्यों में रूझान से दान धर्म में धन खर्च होगा. पारिवारिक क्लेश तथा चिंता का निवारण होगा. मानसिक रूप से स्थिति समाधान पूर्ण रहेगी.

धनु- व्यस्तता के कारण थकान महसूस करेंगे. स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें. संपत्ति विवाद हल होगा. सुख एवं यश मिलेगा. शांति एवं संयम बना रहेगा.

मकर- संतान पक्ष की ओर से थोड़ी परेशानी रहेगी. माता पिता को कष्ट हो सकता है. धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी. स्वजनों के सहयोग से अधूरे कार्य पूर्ण होंगे.

कुम्भ- धर्म कर्म व पूजा पाठ में रूचि बढ़ेगी. धार्मिक यात्रा के योग हैं. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी लाभदायक रहेगी. मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी. शुभ समाचार मिलेगा.

मीन- व्यवसाय के प्रति सतर्क रहें. कार्य बिगड़ सकता है. कार्यक्षेत्र में वैचारिक मतभेद होंगे. नये सुखद अनुबंध होंगे. परिश्रम की अधिकता रहेगी. थकान महसूस होगी.

SUDOKU 7304

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7303

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7